09-01-2021

Milan

82

Subject

1.(A) तापीय प्रतिलोमन :

- वायुमंडल में ऊँचाई मे वृद्धि के साथ तापमान में कमी की जगह वृद्धि हो जाना तापीय प्रतिलोमन कहलाता है।

- गर्म वायु ठंडी वायु के ऊपर स्थापित हो जाती है।

उत्पत्ति के क्षेत्र - उपोष्ण कटिबंध, ध्रुवीय क्षेत्र आदि

1(B) मिश्रित कृषि :

- जब कृषि भूमि का उपयोग अनाज अथवा फसल उत्पन्न करने के साथ अन्य पशुपालन के चारे अथवा एक भूमि पर दो भिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन किया जाता है।

- आय का दूसरा स्रोत के रूप मे की जाती है।

1(C) राहत एवं पुनर्वास :

- राहत एवं पुनर्वास वे कार्यकलाप है जो किसी आपदा अथवा संकटकालीन परिस्थिति के घटित होने के पश्चात् किये जाते है।

राहत - घटना के समय जोखिम कम करने हेतु किये गये कार्यकलाप

पुनर्वास - घटना की क्षतिपूर्ति के लिये किये गये कार्यकलाप होते हैं।

उदा. - भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग

1(D) सापेक्ष आर्द्रता :

वायुमंडल मे पायी जाने वाली जलवाष्प आर्द्रता कहलाती है। एवं किसी निश्चित आयतन की वायु मे अधिकतम वास्तविक जलवाष्प की मात्रा एवं उसमें उपस्थित वास्तविक जलवाष्प की मात्रा को सापेक्ष आर्द्रता कहा जाता है।

1(E) जेट पवनें :

- क्षोभ मंडल मे पश्चिम से पूर्व की ओर प्रबल वेग वाली वायुधाराओं को जेट धाराएं कहा जाता है।

- दो प्रकार की तरंगे (1) उर्ध्वाधर तरंगे :

(2) क्षैतिज तरंगे :

- भारत में मानसून निर्धारित करती है।

Subject

1(F) अवनालिका अपरदन :

जल द्वारा मृदा को बहाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर एकत्रित होने की प्रक्रिया में पोषक तत्व आदि क्षीण हो जाते हैं एवं यह बहाव जलनालियों / नाले के रूप मे होता है। ऐसे मे भी यह मृदा कृषि कार्यो के लिये उपयुक्त नही होती एवं उत्खलित संपूर्ण क्षेत्र बीहड़ मे परिवर्तित हो जाता है उदा० म०प्र० की चंबल घाटी।

(2)

1(G) एटॉल :

– ऐसे द्वीप जिनका निर्माण प्रवालों से हुआ है।

एटॉल रिंग नुमा होतें हैं। – उदा० लक्षद्वीप मे मिलने वाले प्रवाल द्वीप –

उच्च जैव विविधता वाले क्षेत्र होतें हैं।

(1½)

1(H) दीप्ति प्रसारण :

– किसी सतह पर सूर्य प्रकाश के पड़ने के बाद प्रकाश की जितनी मात्रा वापस लौटती है। Reflect होती है। इस मात्रा को दीप्ति प्रसारण कहा जाता है।

– काले रंग की वस्तुओं का शून्य दीप्ति प्रसारण होता है। चूंकि पूर्ण प्रकाश को अवशोषित कर लेती है।

(2)

1(I) गाँधी सागर बाँध →

– मंदसौर मे स्थित है

– चंबल नदी परियोजना के अंतर्गत निर्मित है।

(1)

1(J) सौर्यिक स्थिरांक :

सूर्य के प्रकाश वायुमंडल मे अवशोषित होने के पश्चात जितनी मात्रा में पृथ्वी पर पहुंचता है।

– एक वर्ग मी क्षेत्र में एक सेकंड में पड़ने वाली सूर्य के प्रकाश की मात्रा सौर्यिक स्थिरांक कहलाता है।

(2)

Scanned with CamScanner

(K) भ्रंशोत्थ पर्वत :- जब चट्टानों मे स्थित भ्रंश के कारण मध्य भाग नीचे धँस जाता है और आस-पास का भाग ऊँचा उठने लगता है। ऐसे पर्वत ब्लॉक / भ्रंशोत्थ पर्वत कहलाते है।
उदा. ब्लैक फोरेस्ट जर्मनी, साल्ट रेंज पाकिस्तान

(L) (1) नर्मदा
(2) ताप्ती

(M) टेथिस भूसन्नति :-
(वेगनर के सिद्धांत) कार्बोनिफेरस युग के समय जब पेंजिया (सम्पूर्ण पृथ्वी) का विभाजन हुआ तो उत्तरी क्षेत्र अंगारालैंड एवं दक्षिणी क्षेत्र गोण्डवाना लैंड कहलाया - इसके मध्य टेथिस सागर था - जिसमें कालांतर मे प्लेट विवर्तनिक सिद्धांत के अनुसार वलन पड़ने से हिमालय की उत्पत्ति हुई।

(N) ITCZ :-
ऐसा निम्नदाब वाला क्षेत्र होता है। जहाँ गर्मी है चूंकि सूर्य की किरणे लंबवत पड़ती है। इससे दक्षिण पूर्वी व्यापारिक पवनों के क्षेत्र से व्यापारिक पवनों का संचार होता है एवं मानसून का निर्धारण होता है। भारत में यह सूर्य के उत्तरायण (ग्रीष्म ऋतु) मे निर्मित होता है।

(O) शस्य गहनता :-
एक ही खेत से एक कृषि वर्ष के दौरान कई फसलें प्राप्त करना। - मिश्रित फसल सिद्धांत

2 (A) कोयला संचित शक्ति :-

~~म.प्र. कोयला उत्पादक राज्यों में से एक है~~

भारत मे कोयला उद्योगों को उद्योगो की जननी कहा जाता है। कोयला मुख्यतः अवसादी चट्टानों से निकाला जाता है। 4 प्रकार के कोयला कार्बन की मात्रा के आधार पर वर्गीकृत है।

(A) एन्थ्रेसाइट — 80-90% कार्बन अंश (उच्चकोटी)
(B) बिटुमिनस — 70-80% — " —
(C) पीट — 60-50% — " —
(D) लिग्नाइट — 40% — " — निम्न कोटी

— भारत में कोयले के तीन प्रमुख क्षेत्र है।

1. दामोदर घाटी :- पश्चिम बंगाल (रानीगंज), झारखंड - (झारिया, बोकारो)
 - 80% कोयला भंडार है।
2. सोन महानदी घाटी :- म.प्र. सोहागपुर, सिंगरौली, छ.ग. - कोरबा उड़ीसा के तालचर -
3. गोदावरी घाटी क्षेत्र :- आंध्रप्रदेश के सिंगरेनी एवं महाराष्ट्र के चांदा एवं बल्लारपुर क्षेत्र।

2 (B) अपभू एवं उपभू ज्वार में अंतर :-

ज्वार — महासागरीय जल में सूर्य तथा चंद्रमा की आकर्षण शक्ति के फलस्वरूप ज्वार आते हैं।

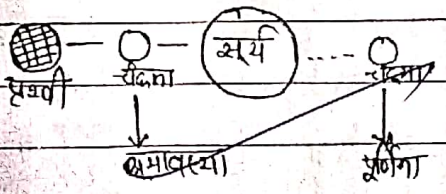

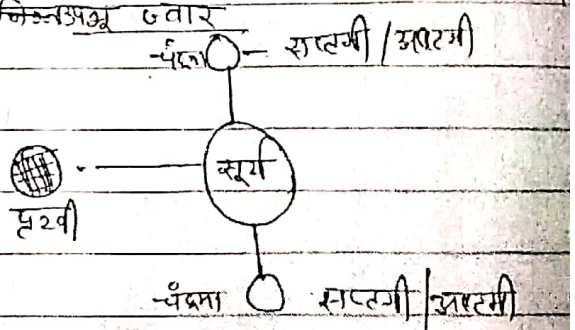

अपभू ज्वार

निम्नभू ज्वार

1. (अ) जब सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी तीनों एक सीधी रेखा में होते हैं। दीर्घ ज्वार आते हैं। — (अ) जब पृथ्वी, सूर्य चंद्रमा समकोण पर होते हैं। उपभू ज्वार आते हैं।
2. (ब) अमावस्या, पूर्णिमा — (ब) सप्तमी, अष्टमी
3. (स) चंद्रमा सूर्य का आकर्षण एक ही दिशा मे कार्यरत होता है। — (स) आकर्षण बल विपरीत दिशा मे होता है। (सूर्य एवं चंद्रमा का)
4. (द) समान-

(ग) सामान्य स्तर से 20% अधिक ऊँचा होता है। – 20% कम नीचा होता है।

(८) भारत में पैट्रोलियम संसाधनो का वितरण :
पैट्रोलियम अवसादी चट्टानो मे प्राप्त होता है। इसके अंतर्गत पैट्रोल, डीजल, मिट्टी का तेल, गैसोलीन आते है।

(4) प्रमुख पैट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र –
(1) ब्रह्मपुत्र घाटी – असम का डिग्बोई, सूरमाघाटी, नहरकटिया
(2) गुजरात तट – अंकलेश्वर, नवगाम, खंभात
(3) पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र – बाम्बे हाई
(4) पूर्वी अपतटीय क्षेत्र

1956 मे देश मे तेल उत्पादन एवं अनुसंधान हेतु ONGC का ग किया।
प्राकृतिक गैस → यह भी खनिज तेलो से संबंध रूप मे मिल है। उत्पादक क्षेत्र → बाम्बे हाई, असम - नहरकटिया

(8)